B.Com. (Hons)

P3 – A/cs & finance Group

Paper – VI
Cost & Management Accounting.

Date – 31.07.2020

प्रो० धनंजय कुमार
सहायक प्राध्यापक
वाणिज्य विभाग
V.S.J. महाविद्यालय
राजनगर (मधुबनी)

UNIT – IV
TOPIC – RATIO ANALYSIS

(B) शोधन क्षमता अनुपात (SOLVENCY RATIO) :- फर्म द्वारा देय निधि पर दीर्घकालीन दायित्वों का भुगतान करने की क्षमता ज्ञात करने के लिए, शोधन क्षमता अनुपात का प्रयोग किया जाता है. इसके अंतर्गत निम्नलिखित अनुपातों की गणना की जाती है :-

(i) Debt Equity Ratio (ऋण समता अनुपात) :- दीर्घकालीन शोधन क्षमता जानने के लिए ऋण समता अनुपात का प्रयोग किया जाता है. यह अनुपात स्वामित्व पूँजी एवं ऋणगत पूँजी के बीच संबंध को स्पष्ट करता है स्वामित्व पूँजी के अंतर्गत मुख्य रूप से समता अंश पूँजी, पूर्वाधिकार अंश पूँजी, पूँजी संचय, तथा अधिशेष (Surplus) को शामिल किया जाता है तथा इसके योग में से काल्पनिक संपत्तियों को घटा दिया जाता है. ऋणगत पूँजी में विशेषकर बाह्य ऋण में – ऋण पत्र, बॉण्ड्स, बंधक, लेनदार, देय बिल, तथा बैंक अधिविकर्ष को शामिल किया जाता है.

Scanned with CamScanner

इसकी गणना निम्न प्रकार से की जाती है –

$$\text{Debt Equity Ratio} = \frac{\text{Long Term Debts}}{\text{Shareholders Fund}}$$

यहाँ –

Long Term loans में – Debentures,
Bonds,
Mortgage.
Long Term Liabilities.
को शामिल किया जाता है।

Shareholders fund में – Equity Share Capital
Pref. Share Capital
Capital Reserve
Revenue Reserve.
Retained Earnings.
– को शामिल किया जाता है तथा इनके योग में से fictitious Assets को घटा दिया जाता है।

(ii) स्वामित्व अनुपात (PROPRIETARY RATIO) :– यह अनुपात स्वामित्व कोष एवं कुल वास्तविक संपत्ति के बीच के संबंध को स्पष्ट करता है। इससे यह पता चलता है कि कुल मूर्त संपत्तियों के कितने भाग के लिए अंशधारियों का पूंजी लगा हुआ है। यह अनुपात जितना अधिक होगा कार्यशील पूंजी के लिए संस्था को बाह्य स्रोतों पर उतना ही कम निर्भर रहना पड़ेगा। इसकी गणना निम्न प्रकार से की जाती है।

$$\text{Proprietary Ratio} = \frac{\text{Shareholders fund}}{\text{Total Tangible Assets}}$$

Scanned with CamScanner

यहाँ;

Shareholders Fund = Equity Share Capital + Pref. Share Capital + Reserve and Surplus — Fictitious Assets.

(iii) पूँजी गियरिंग अनुपात (Capital Gearing Ratio) :- यह अनुपात संस्था के समता अंश पूँजी तथा स्थायी लागत वाली पूँजी के बीच संबंध को स्थापित करता है. प्रारंभ में यह न्यूनतम हो तो लाभदायक होता है तथा धीरे-2 व्यवसाय का विस्तार होता है तथा लाभ में वृद्धि होती है, उच्च अनुपात लाभ दायक होता है. इसकी गणना निम्न प्रकार से की जाती है :—

$$\text{Capital Gearing Ratio} = \frac{\text{Equity Share Capital + Reserve and Surplus}}{\text{Pref. Share Capital + Interest Bearing Finance.}}$$

(iv) ब्याज व्याप्ति अनुपात (Interest Coverage Ratio) :- यह अनुपात संस्था की ब्याज की भुगतान क्षमता को प्रस्तुत करता है. जब संस्था ऋण लेती है तो ऋणदाता ऋण वापसी के साथ ही इस बात की भी रुचि रखता है कि ब्याज का भुगतान आसानी से हो सके. इसकी गणना निम्न प्रकार से की जाती है :—

$$\text{Interest Coverage Ratio} = \frac{\text{Net Profit before Interest \& Tax}}{\text{Interest on Long Term loans.}}$$

Scanned with CamScanner